सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित वेद विषयक एक वर्षीय पाठ्यक्रम

(डिप्लोमा कोर्स)

समन्वयक

प्रो0 महेन्द्र पाण्डेय
अध्यक्ष–वेद विभाग
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

सह–समन्वयक

डॉ0 सत्येन्द्र कुमार यादव
सहायकाचार्य–वेद विभाग,
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

पाठ्यक्रम संरचना :

- **पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्न पत्र होंगे।**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक– 100**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का उत्तीर्णांक–36**
- कुल-समय (180-घण्टे)

प्रथम प्रश्न पत्रः– समय- 45-घण्टे

1. ऋग्वेदीयकल्प सूत्र –
(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

2. यजुर्वेदीय कल्प सूत्र –
(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

3. सामवेदीय कल्प सूत्र –
(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

4. अथर्ववेदीय कल्प सूत्र –
(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

5. अग्नि सूक्त – 1.1

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

6. विष्णु सूक्त – 1.154

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

7. इन्द्र सूक्त – 2.12

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

8. उषस् सूक्त – 7.77

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

द्वितीय प्रश्न पत्रः–

समय- 45-घण्टे

1. अक्ष सूक्त – 10.34

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

2. पुरुष सूक्त – 10.90

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

3. वाक् सूक्त – 10.125

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

4. भूमि सूक्त – 12.1

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

5. शिव संकल्प सूक्त – 34. 1–6

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

6. शान्ताध्याय – 36 . 1–24

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

7. राष्ट्राभिवर्धन सूक्त – 1.29

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

8. छान्दोग्योपनिषद् का परिचय –

(I) महत्व / रचयिता (II) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

तृतीय प्रश्न पत्रः–

समय- 45-घण्टे

1. ऋग्वेद– 1.25

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

2. ऋग्वेद – 2.20

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

3. ऋग्वेद – 3.61

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

4. ऋग्वेद – 2.24

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

5. बृहदेवता प्रथम अध्याय–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

6. बृहदेवता द्वितीय अध्याय–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

7. तैत्तिरीय संहिता– 1.1 (1–8)

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

8. वाजसनेयी संहिता – 3 व 16

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

चतुर्थ प्रश्न पत्रः–

समय- 45-घण्टे

1. तैत्तिरीयोपनिषद्–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

2. केनोपनिषद–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

3. कठोपनिषद्–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

4. मुण्डकोपनिषद्–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

5. ऋक्प्रातिशाख्य–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

6. शुक्लयजुप्रातिशाख्य–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

7. अथर्वप्रातिशाख्य–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

8. ऋग्वेदीयसंवाद सूक्त–

(I) व्याख्या (II) व्याकरणात्मक टिप्पणी

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित वेद विषयक त्रैमासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

(सर्टिफिकेट कोर्स)

समन्वयक

प्रो0 महेन्द्र पाण्डेय
अध्यक्ष–वेद विभाग
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

सह–समन्वयक

डॉ0 सत्येन्द्र कुमार यादव
सहायकाचार्य–वेद विभाग,
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

पाठ्यक्रम संरचना :

- **पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्न पत्र होंगे।**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक– 50**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का उत्तीर्णांक–18**
- कुल-समय (45-घण्टे)

प्रथम प्रश्न पत्रः– समय- 11-घण्टे

1. ऋग्वेद का परिचय –
(I) अर्थ (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) शाखाएँ

2. यजुर्वेद का परिचय –
(I) अर्थ (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) शाखाएँ

3. सामवेद का परिचय –
(I) अर्थ (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) शाखाएँ

4. अथर्ववेद का परिचय –
(I) अर्थ (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) शाखाएँ

5. ऋग्वेदीय ब्राह्मण का परिचय –
(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व
(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

6. यजुर्वेदीय ब्राह्मण का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

7. सामवेदीय ब्राह्मण का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

8. अथर्ववेदीय ब्राह्मण का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

<u>द्वितीय प्रश्न–पत्रः–</u> समय- 11-घण्टे

1. ऋग्वेदीयारण्यक का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

2. यजुर्वेदीयारण्यक का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

3. सामवेदीयारण्यक का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

4. अथर्ववेदीयारण्यक का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

5. ऋग्वेदीयोपनिषद् का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

6. यजुर्वेदीयोपनिषद् का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

7. सामवेदीयोपनिषद् का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

8. अथर्ववेदीयोपनिषद् का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

<u>तृतीय प्रश्न–पत्र :–</u> समय- 11-घण्टे

1. शिक्षावेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

2. कल्पवेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

3. व्याकरणवेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

4. निरुक्तवेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

5. ज्योतिषवेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

6. छन्दवेदांग का परिचय –

(I) संख्या एवं रचयिता (II) महत्व

(III) विभाजन (IV) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

7. वेदकाल का परिचय –

(I) पाश्चात्य मत (II) भारतीय मत

8. स्वर का परिचय –

(I) उदात्त (II) अनुदात्त

(III) स्वरित (IV) अन्य

चतुर्थ प्रश्न–पत्रः– समय- 12-घण्टे

1. वैदिक व्याख्या पद्धति–

(I) पाश्चात्य मत (II) भारतीय मत

2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका –

(I) महत्व (II) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

3. अथर्ववेदभाष्यभूमिका –

(I) महत्व (II) कुछ विशिष्ट सन्दर्भ

4. निरुक्त प्रथम अध्याय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

5. निरुक्त द्वितीय अध्याय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

6. दर्शपौर्णमास परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

7. अग्निहोत्र परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

8. पंचमहायज्ञ परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित वेद विषयक षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

(सर्टिफिकेट कोर्स)

समन्वयक

प्रो0 महेन्द्र पाण्डेय
अध्यक्ष–वेद विभाग
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

सह–समन्वयक

डॉ0 सत्येन्द्र कुमार यादव
सहायकाचार्य–वेद विभाग,
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी।

पाठ्यक्रम संरचना :

- **पाठ्यक्रम में कुल चार प्रश्न पत्र होंगे।**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक– 100**
- **प्रत्येक प्रश्नपत्र का उत्तीर्णांक–36**
- कुल-समय (90-घण्टे)

प्रथम प्रश्न पत्रः–

प्रथम प्रश्न–पत्रः– समय- 22-घण्टे

1. वेदकाल निर्णय –
(I) भारतीय मत (II) पश्चात्य मत
2. वैदिकानुशीलन का इतिहास–
(I) ऋग्वेद एवं यजुर्वेदकालीन (II) सामवेद एवं अथर्ववेदकालीन
3. ऋग्वेदीयभाष्यकार/टीकाकार –
(I) भारतीय (II) पश्चात्य
4. शुक्लयजुर्वेदीयभाष्यकार/टीकाकार –
(I) भारतीय (II) पश्चात्य
5. कृष्णयजुर्वेदीयभाष्यकार/टीकाकार –
(I) भारतीय (II) पश्चात्य
6. सामवेदीय भाष्यकार/टीकाकार –
(I) भारतीय (II) पश्चात्य

7. अथर्ववेदीय भाष्यकार / टीकाकार –

(I) भारतीय (II) पश्चात्य

8. वेदों की भारतीय व्याख्या पद्धति –

द्वितीय प्रश्न–पत्रः– समय- 22-घण्टे

1. वेदों की पाश्चात्य व्याख्या पद्धति

2. वेदों की आध्यात्मिक व्याख्या पद्धति

3. ब्राह्मण ग्रन्थों का महत्व

(I) ऋग्वेदीय (II) यजुर्वेदीय

(III) सामवेदीय (IV) अथर्ववेदीय

4. ब्राह्मण ग्रन्थों का समय–

(I) ऋग्वेदीय (II) यजुर्वेदीय

(III) सामवेदीय (IV) अथर्ववेदीय

5. ऐतरेय ब्राह्मण का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

6. शतपथ ब्राह्मण का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

7. ताण्ड्यब्राह्मण का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

8. गोपथ ब्राह्मण का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

तृतीय प्रश्न–पत्र :– समय- 23-घण्टे

1. ऐतरेयारण्यक का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

2. शांखायनारण्यक का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

3. वृहदारण्यक का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

4. तैत्तिरीयारण्यक का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

5. ईशावास्योपनिषद् का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

6. कठोपनिषद् का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

7. ऐतरेयोपनिषद् का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

8. माण्डूक्योपनिषद् का परिचय–

(I) महत्व (II) विषय वस्तु

समय- 23-घण्टे

चतुर्थ प्रश्न–पत्र :–

1.	**पाणिनीय शिक्षा–(1–15)**		
(I)	महत्व	(II)	विषय वस्तु
2.	**पाणिनीय शिक्षा–(16–30)**		
(I)	महत्व	(II)	विषय वस्तु
3.	**पाणिनीय शिक्षा–(31–45)**		
(I)	महत्व	(II)	विषय वस्तु
4.	**पाणिनीय शिक्षा–(46–60)**		
(I)	महत्व	(II)	विषय वस्तु
5.	**निरुक्त का परिचय–**		
(I)	महत्व	(II)	विषय वस्तु
6.	**निघण्टु के व्याख्याकार–**		
(I)	पाश्चात्य	(II)	भारतीय
7.	**निरुक्त का समय**		
(I)	पाश्चात्य मत	(II)	भारतीय मत
8.	**निरुक्त के टीकाकार–**		
(I)	प्राचीन	(II)	अर्वाचीन